

एबरिस्ट मेरी शिखर यात्रा

एबरिस्ट पर चढ़ाई करने वाला इल दिल्ली से दवाई नदाल से काठमांडू कब चल पड़ा था ?

क 7 मार्च को।

2 बचेंद्री पाल ने सर्वप्रथम एबरिस्ट को कहां से देखा था ?
घ नमचे बाजार से।

3 शिखर पर जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कहां से आनी जाने लुपानों की झीलना पड़ता है ?
ख क्विन-पूर्वी पहाड़ी से।

4 26 मार्च को पेरिच पहुँचते ही लेखिका की कौन-सा दुख भरा समाचार मिला ?

घ एक शैशा कुली की मृत्यु का।

5 कनिन खुल्लर को सभी सदस्यों की सहज भाव से स्वीकार करने की कथा ?

ख मृत्यु।

6 कैंप-एक किनी ऊँचाई पर था ?

ग 6000 मी.

7 रसीई-सहायक की मृत्यु किस कारण हो गई थी ?

ख जलवायु के सही न होने के कारण।

8 लेखिका के अनुसार अचानक हमेशा ही खतरनाक स्थिति
कैसे बन जाया करती थी?

क बड़ी-बड़ी बर्फ की चट्टानों के अचानक से गिरने से।

9 कौन-सा दिन हिमपात से कैंप-एक पर तक सामान ढीकर
चढ़ाई के अभ्यास करने के लिए पहले से ही निश्चित था?
तीसरा।

10 कैंप-एक पर पहुँचने वाली दो महिलाएँ कौन थीं?
क डॉ. मीनु मेहता और बचेंद्री पाल।